बीस हजार रुपये
RUPEES
20000

Rs. 20000 INDIA NON JUDICIAL Rs. 20000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH 165783

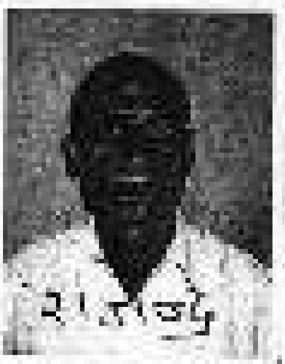

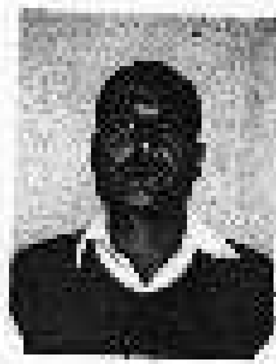

- 8 SEP 2004

विक्रय–पत्र

लेख पत्र का संक्षिप्त विवरण

1.	भूमि का प्रकार	: कृषि
2.	परगना	: बिजनौर
3.	ग्राम	: यूसुफ नगर उर्फ बनियामऊ
4.	सम्पत्ति का विवरण (सम्पत्ति नं0)	: भूमि खसरा संख्या–42 रकबा 0.501 हेक्टेअर
5.	मापन की इकाई	: हेक्टेअर

For Kanchanjunga ...

Authorised Signatory

बीस हजार रुपये

RUPEES

20000

रुपये

Rs 20000 रु.

INDIA NON JUDICIAL

Rs 20000 रु.

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

165784

6.	विक्रीत सम्पत्ति का क्षेत्रफल	:	0.25? हेक्टेयर
7.	सम्पत्ति का प्रकार	:	कृषि
8.	पेड़ों का मूल्यांकन	:	नहीं
9.	बोरिंग / कुआ / अन्य	:	नहीं
10.	प्रतिफल की धनराशि	:	रु0 5,56,860/-
11.	मालियत	:	रु0 3,45,125/-
12.	स्टाम्प	:	रु0 55,700/-

चौहद्दी

खसरा नं0 42

पूरब	: खसरा संख्या-32 व 33
पश्चिम	: खसरा संख्या-76
उत्तर	: खसरा संख्या-41, 25
दक्षिण	: खसरा संख्या-43, 51

For [illegible]

Authorised [illegible]

15000 रु भारतीय गैर न्यायिक 15000 रु

INDIA NON JUDICIAL

पन्द्रह हजार रुपये

RUPEES FIFTEEN THOUSAND

Rs.15000 भारत INDIA Rs.15000

0388 771211

16 SEP 200

- 1 -

प्रथम पक्ष की संख्या—04
विक्रेतागण का विवरण
(1) राजेन्द्र, (2) सत्यदेव (3) शोमनाथ पुत्रगण राम नरेश व (4) प्रभा पुत्र लोकई,
निवासीगण— ग्राम यूसुफ नगर उर्फ बगियामऊ,
परगना—बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ

व्यवसाय — कृषि

द्वितीय पक्ष की संख्या—01
क्रेता का विवरण
कंचनजंगा रिएलटर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा श्री विनीत श्रीवास्तव पुत्र श्री एस0पी0 श्रीवास्तव महाप्रबन्धक (कार्यान्वयन), वर्तमान पता—तृतीय तल, वाई0एम0सी0ए0 बिल्डिंग, 13—राणा प्रताप मार्ग लखनऊ
व्यवसाय —व्यापार

For Kanchanjunga ...
Authorised Signatory

विक्रय विलेख

यह कि विक्रेतागण कृषि भूमि खसरा न0 42 रकबा 0.501 हेक्टेयर का 1/2 भाग अर्थात 0.251 हेक्टेयर, स्थित ग्राम युसुफ नगर उर्फ बगियामऊ, परगना बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ के मालिक कामिल व काबिज हैं जो विक्रेतागण की पैतृक सम्पत्ति है जो उन्हें वरासतन प्राप्त हुई है तथा उपरोक्त सत्यापित षटवार्षिक खाता खतौनी क्रम संख्या–66 के अनुसार कृषि भूमि विक्रेतागण के नाम अमल दरामद हो चुका है। उक्त आराजी आज विक्रेतागण के कब्जे व दखल मालिकाना में मौजूद

For [illegible]

Authorised Signatory

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये — Rs. 100

रु. 100 — ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH — G 518574

है और जो कहीं विक्रय, हिबा, ऋणभार, कुर्की, व जमानत आदि से प्रभावित नहीं है, उक्त आराजी में किसी अन्य व्यक्ति का कोई स्वामित्व एवं अधिकार नहीं है और न ही कोई व्यक्ति भागीदार है, अब बजरूए खुद विक्रेतागण के उसी आराजी रकबा उपरोक्त को पूर्ण स्वामित्व एवं अधिकारों सहित बिना छोड़े किसी चीज व हक के खूब सोच व समझकर बिना किसी दबाव के, एवज मुबलिग रू० 5,56,860/- (रुपया पाँच लाख छप्पन हजार आठ सौ साठ मात्र) जिसके आधे रू० 2,78,430/- (रुपया दो लाख अठहत्तर हजार चार सौ तीस मात्र) होते है कंचनजंगा रियलटर्स

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

ONE HUNDRED RUPEES

रु. 100

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G 518575

प्राइवेट लिमिटेड द्वारा श्री विनीत श्रीवास्तव पुत्र श्री एस०के० श्रीवास्तव महाप्रबन्धक (कार्यान्वयन), वर्तमान पता तृतीय तल, वाई०एम०सी०ए० बिल्डिंग, 13–राणा प्रताप मार्ग लखनऊ के बय कराई किया, और कुल विक्रय धनराशि कब्ल तहरीर दस्तावेज हाजा क्रेता उपरोक्त से नीचे दिये गये विवरण के अनुसार प्राप्त करके कब्जा व दखल मालिकाना आराजी बयशुदा पर आज की तारीख से क्रेता उपरोक्त का माकई बखूबी करा दिया, अब विक्रेतागण व वारिसान विक्रेतागण को कोई हक व दावा निस्बत आराजी बयशुदा व विक्रय धनराशि के क्रेता से बाकी नहीं रहा.

अगर कोई शख्स दावा करे तो वह बिल्कुल नाजायज होवे, और अगर आराजी मबीशुदा पूर्ण अथवा उसका कोई अंश क्रेता के स्वामित्व एवं अधिकारों से निकल जावे या कब्जा न मिले या कहीं विक्रय, हिबा, ऋणभार, कुर्की व जमानत आदि से ग्रसित पायी जाती है तो ऐसी स्थिति में क्रेता को अधिकार होगा कि वह अपना कुल विक्रय धनराशि मय हर्जा खर्चा व नुकसान के सब विक्रेतागण व वारिसान विक्रेतागण से व विक्रेतागण की अन्य सम्पत्ति चल व अचल से जरिये न्यायालय प्राप्त कर लेवे, इसमें विक्रेतागण व वारिसान विक्रेतागण को कोई आपत्ति होगी।

अब क्रेता उपरोक्त को पूरा अधिकार है कि वह विक्रीत आराजी के सम्बन्ध मे समस्त सरकारी अभिलेखों मे अपने नाम दाखिल–खारिज करा लेवें ।

आराजी उपरोक्त मे खेती होती है, आराजी उपरोक्त मे पेड़, ट्यूबवेल, कुआं व इमारत आदि नही है। आराजी उपरोक्त के 200 मीटर त्रिज्या मे कोई निर्माण आदि नही है।

आराजी उपरोक्त किसी लिंक मार्ग जनपदीय मार्ग व राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित नही है।

For [illegible]

Authorised Signatory

आराजी स्थित ग्राम यूसफनगर उर्फ बगियामऊ, परगना- बिजनौर के अर्धनगरीय क्षेत्र के सामान्य ग्राम के अन्तर्गत आता है जो नगर निगम सीमा के बाहर स्थित है जिसकी कृषि भूमि की बाजारू कीमत 11,00,000/– रुपया प्रति हेक्टेअर की दर से निर्धारित है चूंकि कम्पनी खरीददार है इसलिए 25 प्रतिशत बढ़ाकर रू0 13,75,000/– प्रति हेक्टेअर हो गयी है विक्रीत आराजी रकबा 0.251 हेक्टेअर है जिसकी मालियत रू0 3,45,125/– आती है जो कि विक्रय मूल्य से कम है, अतः नियमानुसार विक्रय मूल्य पर जनरल स्टाम्प शुल्क 55,700/– के अदा किये जा रहे है।

उपरोक्त आराजी मुख्य मार्ग सुलतानपुर रोड से 1 किमी0 की दूरी पर स्थित है।

विक्रेतागण अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति का सदस्य नही है। उक्त आराजी किसी योजना व किसी सरकारी व अर्ध सरकारी संस्था द्वारा अधिगृहीत नहीं है।

<u>विवरण भुगतान</u>

1. विक्रेता राजेन्द्र को रू0 61,873/– (रूपया इकसठ हजार आठ सौ तिहत्तर मात्र) जरिये चेक संख्या–135458

For Sanchar... Authorised ...

दिनांकित 01.12.2006 पंजाब नेशनल बैंक शाखा हजरतगंज, लखनऊ क्रेता से प्राप्त हुए।

2. विक्रेता सत्यदेव को रू0 61,873/- (रूपया इकसठ हजार आठ सौ तिहत्तर मात्र) जरिये चेक संख्या-135460 दिनांकित 01.12.2006 पंजाब नेशनल बैंक शाखा हजरतगंज, लखनऊ क्रेता से प्राप्त हुए।

3. विक्रेता शोभनाथ को रू0 61,873/- (रूपया इकसठ हजार आठ सौ तिहत्तर मात्र) जरिये चेक संख्या-135461 दिनांकित 01.12.2006 पंजाब नेशनल बैंक शाखा हजरतगंज, लखनऊ क्रेता से प्राप्त हुए।

4. विक्रेता ब्रह्मा को रू0 3,71,241/- (रूपया तीन लाख इकहत्तर हजार दो सौ इकतालिस मात्र) जरिये चेक संख्या-135462 दिनांकित 01.12.2006 पंजाब नेशनल बैंक शाखा हजरतगंज, लखनऊ क्रेता से प्राप्त हुए।

इस प्रकार कुल विक्रय मूल्य रू0 5,56,860/- (रूपया पाँच लाख छप्पन हजार आठ सौ साठ मात्र) विक्रेतागण ने क्रेता से वसूल पाया।

For [illegible] Private Limited

[illegible]

लिहाजा यह दस्तावेज विक्रेतागण ने अपनी खुशी व रजामन्दी से खूब सोच व समझकर बिना किसी दबाव के, क्रेता उपरोक्त के पक्ष में लिख दिया ताकि सनद रहे और वक्त जरूरत पर काम आवे।

अतः आज उभय पक्षों ने इस विक्रय विलेख पर अपने–अपने हस्ताक्षर करके इसे निष्पादित किया।

दिनांक:– 01.12.2006

लखनऊ

गवाहान:–

1.

2.

विक्रेतागण

क्रेता

टाईपकर्ता:

(रामस्नेही)

सिविल कोर्ट, लखनऊ

मसविदाकर्ता:

(राहुल शुक्ला)

एडवोकेट,

विक्रय पत्र

[illegible] 4,250,000.00 — 3,000.00 — 40 — 3,040.00 — 3,080

रजिस्ट्रीकरण शुल्क [illegible] प्रति शुल्क — योग — शब्द लगभग

[illegible] विक्रेता

श्री [illegible]

पुत्र [illegible]

पेशा [illegible]

निवासी [illegible]

[illegible]

ने यह लेखपत्र इस कार्यालय में दिनांक 12/12/2008 समय [illegible]

को निबन्धन हेतु पेश किया।

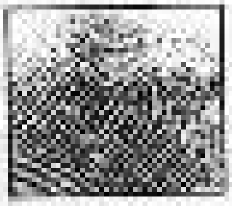

के.के. शुक्ला

उप निबन्धक (प्रथम)

लखनऊ

12/12/2008

निष्पादन लेखपत्र वाद सुनने व समझने मजमून व प्राप्त धनराशि रु [illegible]

विक्रेता

श्री/श्रीमती [illegible]

पुत्र/पत्नी श्री [illegible]

पेशा व्यापार

निवासी [illegible] लखनऊ

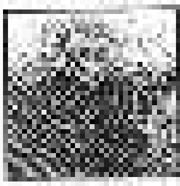

क्रेता

श्री/श्रीमती [illegible]

नौकरी

पुत्र/पत्नी श्री [illegible]

पेशा नौकरी

निवासी [illegible] लखनऊ

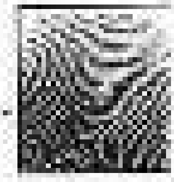

श्री/श्रीमती [illegible]

पुत्र/पत्नी श्री [illegible]

पेशा व्यापार

निवासी [illegible] लखनऊ

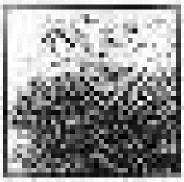

श्री/श्रीमती [illegible]

पुत्र/पत्नी श्री [illegible]

पेशा व्यापार

निवासी [illegible] लखनऊ

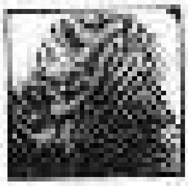

श्री/श्रीमती [illegible]

पुत्र/पत्नी श्री [illegible]

पेशा व्यापार

निवासी [illegible] लखनऊ

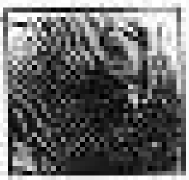

रजिस्ट्रेशन अधि0 1908 की धारा–32 ए0 के अनुपालन हेतु।

फिंगर्स प्रिन्ट्स

प्रस्तुतकर्ता / विक्रेता नाम व पता :– [illegible]

[illegible]

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :–

दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :–

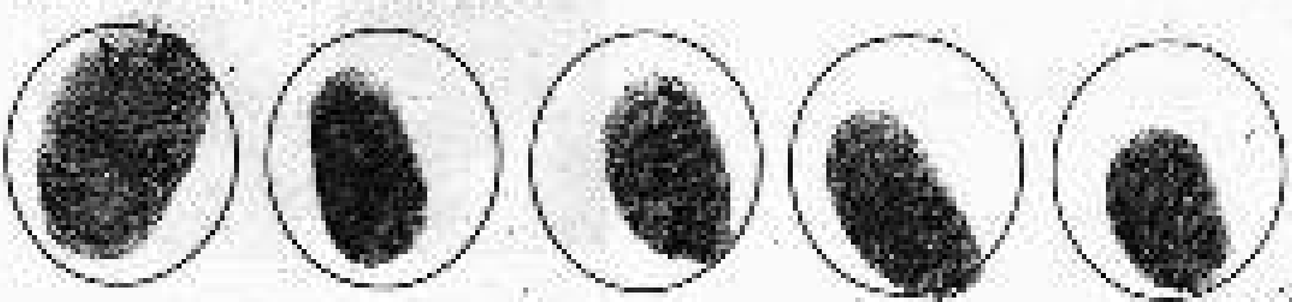

[illegible]

प्रस्तुतकर्ता / विक्रेता / क्रेता के हस्ताक्षर

विक्रेता / क्रेता नाम व पता :– [illegible]

[illegible]

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :–

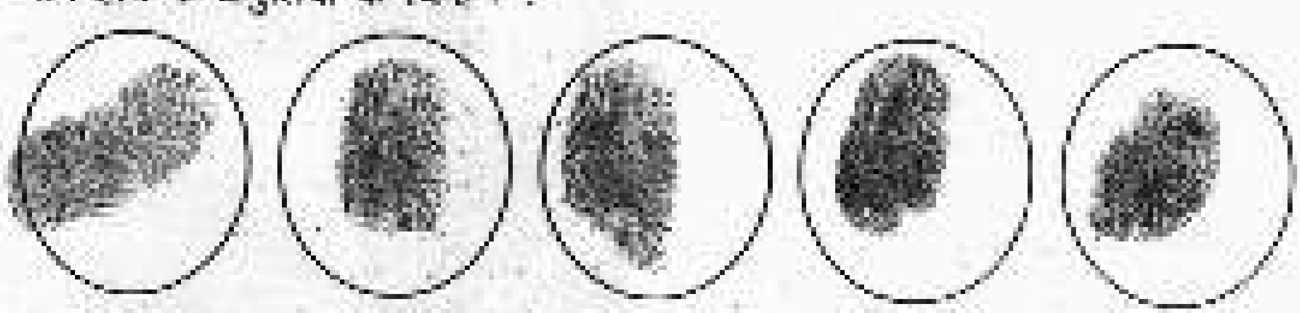

दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :–

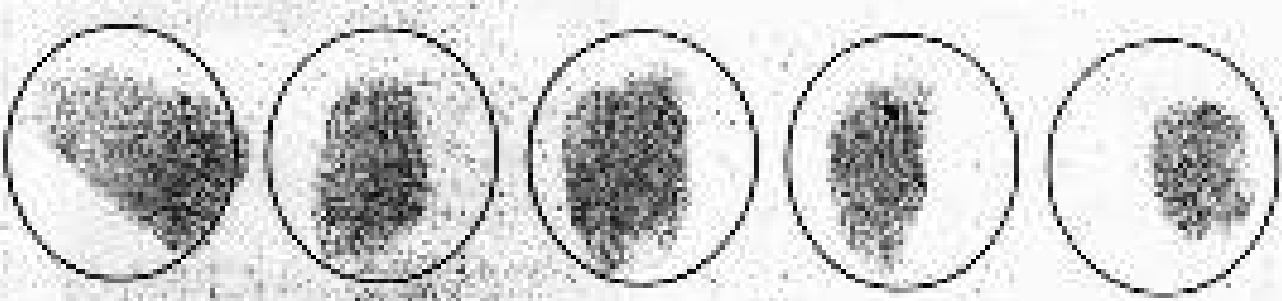

[illegible]

विक्रेता / क्रेता के हस्ताक्षर

[illegible]

Registration No 10598 Year : 2006 Book No. I

0101 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

0102 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

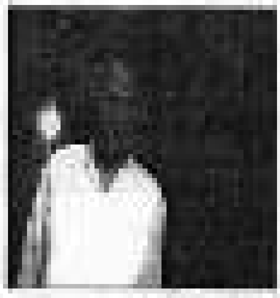

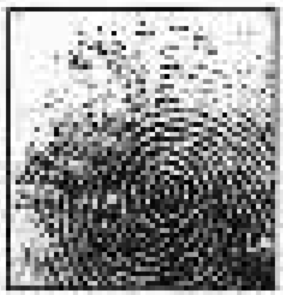

0103 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

0104 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

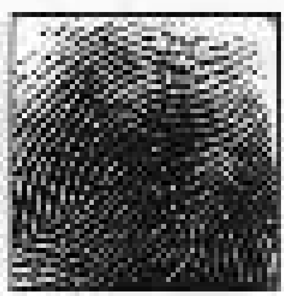

रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 32-ए, के अनुपालन हेतु फिंगर्स प्रिन्टस्

क्रेता / विक्रेता का नाम व पता:- [illegible]

[illegible]

बायें हाथ की अंगुलियों के चिन्ह :-

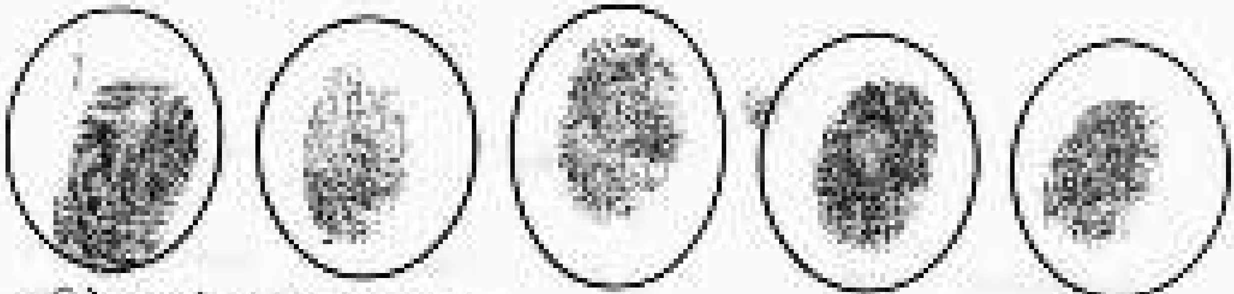

दाहिने हाथ की अंगुलियों के चिन्ह :-

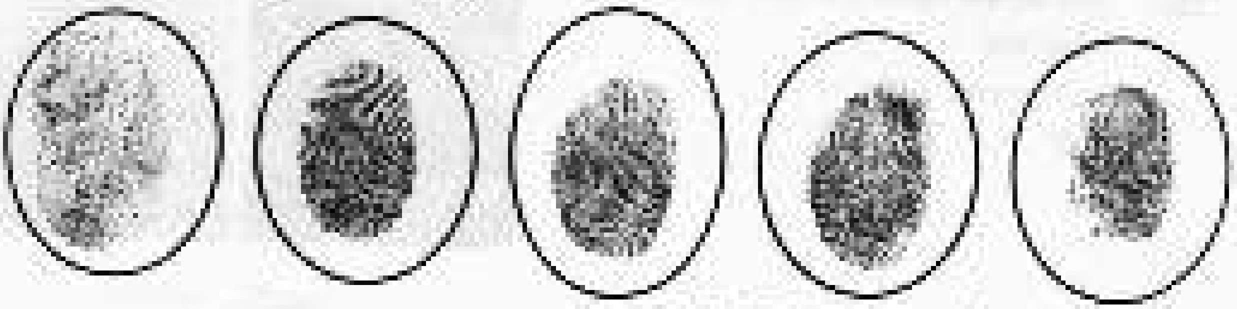

For Banchar[illegible]

क्रेता/विक्रेता के हस्ताक्षर

Authorised Signatory

विक्रेता / क्रेता का नाम व पता:- ....

....

बायें हाथ की अंगुलियों के चिन्ह:-

दाहिने हाथ की अंगुलियों के चिन्ह:-

विक्रेता / क्रेता के हस्ताक्षर

[illegible]

Registration No. [illegible] Year : [illegible] Book No. 1

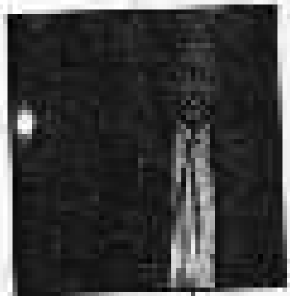

[illegible] [illegible]

रजिस्ट्रेशन अधि0 1908 की धारा–32 ए0 के अनुपालन हेतु,

फिंगर्स प्रिन्ट्स

प्रस्तुतकर्ता / विक्रेता नाम व पता :– [illegible] S/o [illegible]

[illegible]

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :–

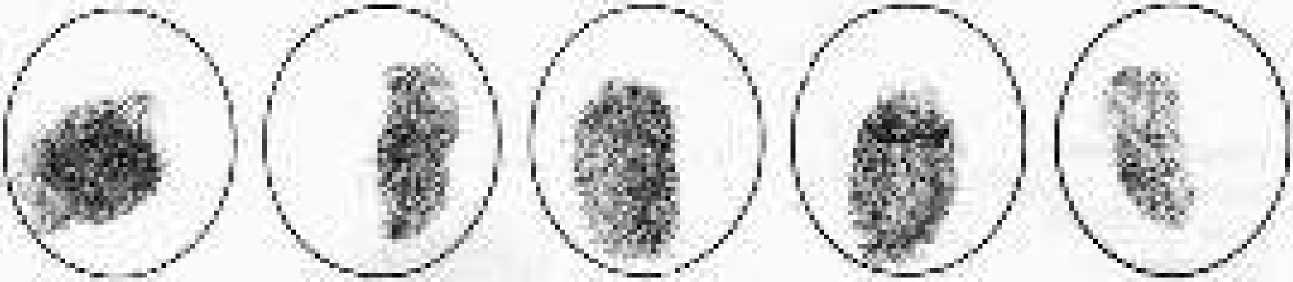

दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :–

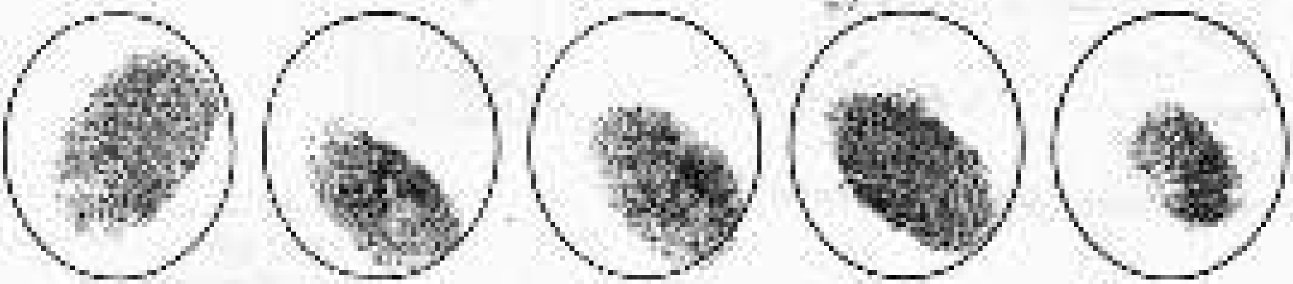

[illegible]

प्रस्तुतकर्ता / विक्रेता / क्रेता के हस्ताक्षर

विक्रेता / क्रेता नाम व पता :– [illegible] S/o [illegible]

[illegible]

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :–

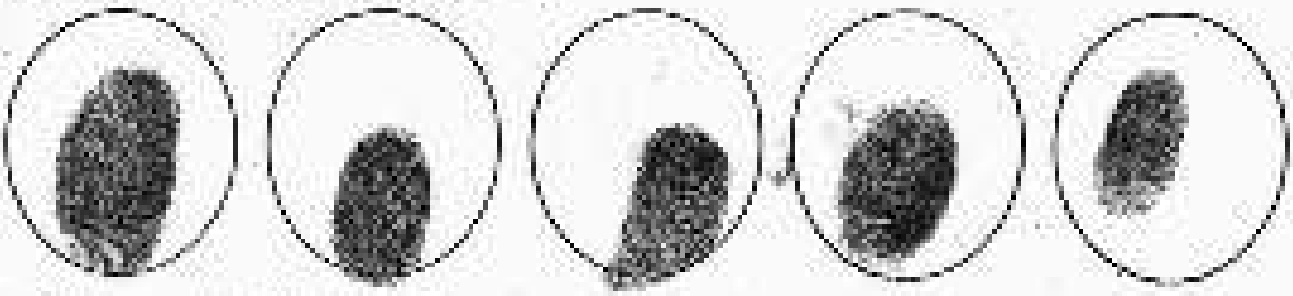

दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :–

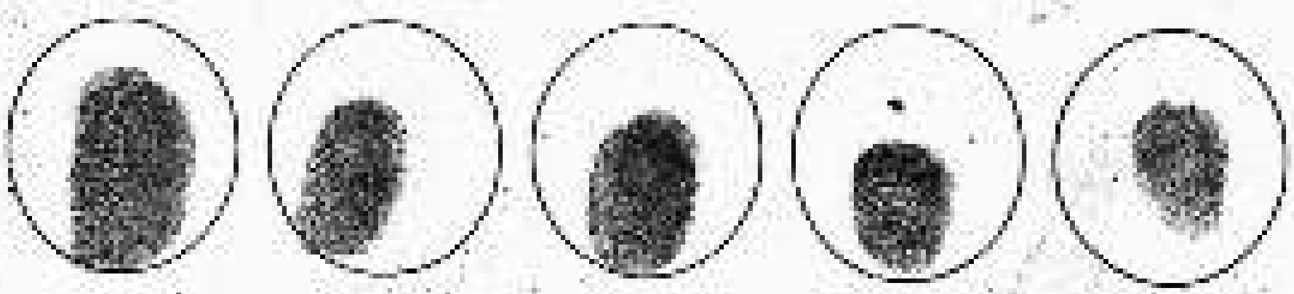

[illegible]

विक्रेता / क्रेता के हस्ताक्षर

2 विवाहक [illegible] मिश्र

जिसकी पत्नी श्री सुनील मिश्रा

पुत्र श्री अवधेश मिश्रा

पेशा नौकरी

निवासी [illegible]

व श्री [illegible]

पुत्र श्री

पेशा [illegible]

निवासी

के बीच।

[illegible] के विवाह [illegible] किये गये है।

के.के. शुक्ला

उप निबन्धक (प्रथम)

लखनऊ

[illegible]/2009

नक्शा नजरी

ग्राम :

खसरा संख्या— 52

विक्रेता :

क्रेता :

विक्रीत सम्पत्ति के निकट स्थित समस्त सम्पत्तियों का विवरण

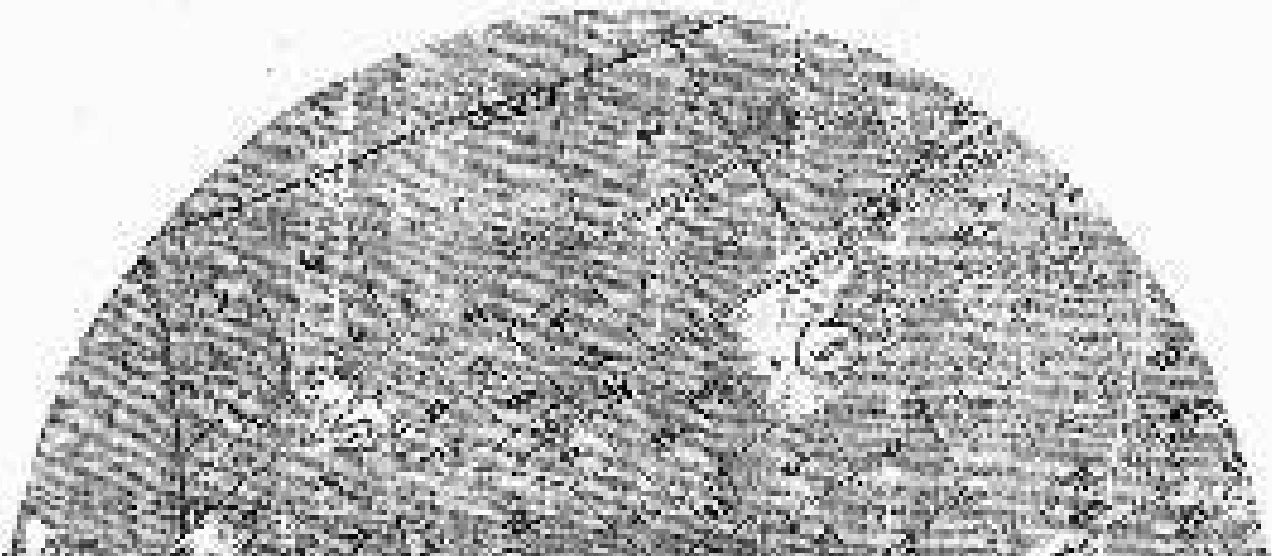

आज दिनांक 12/12/2006 को

बही सं 1 जिल्द सं 7979

पृष्ठ सं 311 से 338 पर क्रमांक 10591

रजिस्ट्रीकृत किया गया ।

के.के शुक्ला

उप निबन्धक (प्रथम)

लखनऊ

12/12/2006